नेशनल कॉन्फ्रेंस

मंदिरों की क्वालिटी, फॉर्म और डिजाइन पर हुई बात

सिटी रिपोर्टर | स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) में चल रही नेशनल कॉन्फ्रेंस का रविवार को आखिरी दिन रहा। इस मौके पर 102 रिसर्च पेपर पढ़े गए, जिसमें सबसे इंट्रेस्टिंग टॉपिक था- 'वास्तुकला और योजना को लेकर जागरुक राष्ट्रवाद...'। इसमें भारत के मंदिरों और आर्किटेक्चर्स के डिजाइन पर ही सिर्फ बहस नहीं हुई, बल्कि यूनीक आइडेंटिफिकेशन, उनके फॉर्म और क्वालिटीज पर भी चर्चा की गई। आखिरी दिन हिस्टोरिक सिटीज एंड सैकर्ड टाउन, टैंजिबिलिटी ऑफ इंटैंजिबल हैरिटेज पर भी बात की गई। कार्यक्रम के दौरान टैम्पल आर्किटेक्चर पर वर्कशॉप का आयोजन भी किया गया। वैलेडिक्ट्री सेशन में एसपीए के डायरेक्टर डॉ. कैलाश राव ने अनाउंसमेंट किया कि अब एसपीए फरवरी 2025 में भोपाल में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन करेगा।